केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 303 सोमवार 2 जून 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

महिला अस्पताल में नवजात की मौत पर परिजनों ने लगाये आरोप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिला महिला अस्पताल में एक नवजात बच्ची की मौत के बाद परिवार ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। संतकबीरनगर के अतरौलिया निवासी बबिता यादव की बेटी का जन्म 27 मई को ऑपरेशन से हुआ था। शनिवार दोपहर एक बजे नवजात के नाक और मुंह से खून निकलने लगा। परिजन तुरंत इमरजेंसी पहुंचे, लेकिन वहां कोई डॉक्टर नहीं मिला। अस्पताल कर्मियों ने उन्हें इधर– उधर भटकाया। इस दौरान बच्ची की हालत बिगड़ती गई और उसकी मौत हो गई।

पिता भोला यादव ने बताया कि ऑपरेशन के लिए उनसे 2200 रुपये लिए गए थे। उन्होंने कहा कि समय पर डॉक्टर मिल जाता तो बच्ची की जान बच सकती थी। बच्ची की मौत की खबर से मां की भी हालत खराब हो गई है।

सीएमएस डॉ. अनिल कुमार ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि लापरवाही साबित होने पर दोषियों पर कार्रवाई होगी और ऑपरेशन के लिए लिए गए पैसे भी वापस किए जाएंगे। अस्पताल प्रशासन ने शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही है।

जमीन विवाद में महिला को धमकी: डीएम ने दिए जांच का आदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । कलवारी थाना क्षेत्र के माझा खुर्द गांव में जमीन विवाद तूल पकड़ रहा है। गोमती निषाद के पास गाटा संख्या 574, 575 और 580 ज का वैध बैनामा है। इसके बावजूद कुछ लोग उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और अवैध निर्माण कार्य को रोक दिया। यह जमीन न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद कुछ लोग कब्जा करने की कोशिश में लगे हैं।

गोमती निषाद का आरोप है कि चुनावी रंजिश के चलते गांव का माहौल खराब किया जा रहा है। स्थानीय लेखपाल दबाव में होने के कारण कब्जाई गई जमीन को खाली नहीं करा पा रहे हैं। पीड़िता को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकियां भी मिल रही हैं। न्याय की मांग को लेकर गोमती निषाद जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने विवादित जमीन को पुलिस सुरक्षा में खाली कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अवैध खनन पर मुकदमा

—भारतीय बस्ती संवाददाता

—बस्ती। वाल्टरगंज पुलिस ने अवैध खनन के मामले में केस दर्ज किया है। खनन विभाग के अधिकारी प्रशान्त यादव ने तहरीर में बताया है कि गत 21 मई की रात अवैध खनन व परिवहन की सूचना प्राप्त हुई। इसके आधार पर वाल्टरगंज थानाक्षेत्र की चौकी गनेशपुर के निकट मिट्टी लदे दो ट्रैक्टर ट्रालियों को जांच के लिए रोका गया। मिट्टी के परिवहन के सम्बन्ध में अनुमति, परिवहन प्रपत्र मांगा गया तो वाहन चालक कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। वाहन की जांच किए जाने पर प्रत्येक वाहन ट्रैक्टर–ट्राली पर चार घनमीटर मिट्टी लदी मिली। कोई अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया।

यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस के 40 विमान तबाह

मास्को (आभा)। यूक्रेन और रूस के बीच छिड़ी जंग एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। जहां रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर 9 घंटे तक मिसाइल और ड्रोन से भीषण हमला किया, वहीं जवाबी कार्रवाई में यूक्रेन ने अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन ऑपरेशन चलाया। यूक्रेनी सेना का दावा है कि उसने रूस के 4 एयरबेस को निशाना बनाया और बम बरसाने वाले कम से कम 40 से अधिक विमानों को तबाह कर दिया। यूक्रेन ने खुद पर हुए हमले के कुछ घंटों बाद ही रूस के भीतर सुदूर साइबेरिया क्षेत्र में जबरदस्त ड्रोन अटैक कर पलटवार किया, इसे युद्ध की अब तक की सबसे बड़ी ड्रोन कार्रवाई बताया जा रहा है।

शनिवार देर रात रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया, जिसमें कीव, खारकीव, ओडेसा, जापोरिज्जिया और दनिप्रोप्रेतरोव्स्क सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। एक मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर पर हमले में 12 लोगों की मौत, 60 घायल हुए। सिविलियन इलाकों, घरों, बैंक शाखाओं और गोदामों को भी निशाना बनाया गया। कीव में दर्जनभर मकानों को नुकसान, हालांकि कोई जानमाल की हानि नहीं हुई। यूक्रेन का दावा है कि रूस ने करीब 9 घंटे तक हवाई हमले किए।

रूसी हमले के चंद घंटों बाद ही यूक्रेन ने रूस के चार सैन्य एयरबेस पर ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी मीडिया और रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला रूस के अंदरूनी हिस्से साइबेरिया तक पहुंचा।

3 वर्ष में गई 6 की विधायकी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अयोग्य ठहराये गये विधायकों की सूची में शामिल होने वालों में नया नाम मऊ विधानसभा क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी का है। उन्हें एक चुनावी रैली के दौरान भड़काऊ भाषण मामले में मऊ की एक विशेष अदालत ने 2 साल की कैद और 11,000 रुपये के जुर्माने की सजा है।

विधानसभा की वेबसाइट के अनुसार 18वीं विधानसभा में राज्य के अन्य अयोग्य विधायक समाजवादी पार्टी के आजम खान, उनके बेटे और सपा नेता अब्दुल्ला आजम खान, सपा से ही हाजी इरफान सोलंकी, भाजपा के विक्रम सिंह और भाजपा के अन्य नेता रामदुलार हैं। सपा के नेता आजम खान को अक्टूबर 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब एक अदालत ने उन्हें 2019 के भड़काऊ भाषण मामले में तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। वह रामपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे।

स्वच्छ, सुन्दर बस्ती के लिये चलाया स्वच्छता अभियान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सामाजिक संस्था बस्ती विकास समिति एवं छात्र युवा दल द्वारा जनजागरूकता अभियान के तहत प्रत्येक रविवार विशेष अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर 'स्वच्छ बस्ती, सुंदर बस्ती अभियान' चलाकर रविवार को वार्ड नम्बर 02 मिश्रौलिया में साफ सफाई कर लोगों को जागरूकता पर्चा देते हुए इधर उधर, सड़क पर कूड़ा करकट न फेकने का निवेदन किया गया।

संस्थापक राहुल श्रीवास्तव ने लोगों से निवेदन किया कि घर का कूड़ा करकट सड़क पर न फेंके बल्कि अपने घर में एक डिब्बे में एकत्रित करके रखें जब नगर पालिका की कूड़े वाली गाड़ी आये तो उसमें कूड़ा करकट डालें।

समिति उपाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने कहा कि इस अभियान के तहत लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताकर जागरूक कर आसपास के क्षेत्रों को साफ सफाई रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छात्र युवा दल जिलाध्यक्ष पवन वर्मा ने कहा कि हमें अपने आस–पास खुद ही अपने घर के सामने साफ सफाई रखना चाहिए ।

वहीं मोहल्लें में गुलाम खान के घर के तरफ लोगों में बहुत अच्छी जागरूकता दिखी जैसे ही सफाई कर्मचारी ने आवाज दिया लोग घर के अंदर से डिब्बे में कूड़ा लेकर निकल कर सफाई कर्मचारी को कूड़ागाड़ी में रखने के लिए दिये उधर सड़क नाली बहुत ही साफ रहा क्योंकि वहां के लोगों द्वारा सड़क पर कूड़ा करकट नही फेक जाता।

इस दौरान पूर्व सभासद डब्लू सोनकर, विनय कुमार राजपूत, रोहन श्रीवास्तव, अखिलेश त्रिपाठी, पार्थ श्रीवास्तव, गणेश श्रीवास्तव, इन्द्रेश यादव, बच्चू लाल निषाद, अनुज सिंह, करन सोनकर, अनिल, हफीजुल्लाह, रिजवान, पारस, बृजमोहन शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तंबाकू निषेध दिवस पर दिया नशीले पदार्थों के खतरे की जानकारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जिलेभर में जन–जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए। लोगों को बैनर–पोस्टर के जरिये तंबाकू और सिगरेट कितना जानलेवा है इसके प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि इससे तौबा करें और एक–दूसरे की जान बचाएं। साथ ही हस्ताक्षर करवाकर तंबाकू न खाने और न खाने देने का संकल्प दिलाया गया। जिला अस्पताल सभागार में एनसीडी प्रोग्राम के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से संगोष्ठी हुई। एसआईसी जिला अस्पताल डॉ. खालिद रिजवान अहमद ने तंबाकू सेवन से शारीरिक नुकसान को बताया। कहा कि यह ओरल कैंसर का वाहक है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम और नोडल अधिकारी एसीएमओ डॉ. एके गुप्ता ने कहा कि तंबाकू सेवन से कैंसर और मौत का आंकड़ा बढ़ रहा जो खतरा है।डॉ. जीएम शुक्ल, डॉ. रामजी सोनी, डॉ. महेश प्रसाद, डॉ. अनिल शर्मा, डिप्टी सीएमओ डॉ. एसबी सिंह ने बताया कि तंबाकू सेवन कितना खतरनाक है इसका उदाहरण आंकड़े हैं।

रालोद के क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान पर जोर

—अपने बूते पंचायत चुनाव में उतरेगी रालोद– रामाशीष राय
—संगठन की मजबूती से हासिल होंगे लक्ष्य–त्रिलोक त्यागी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । रविवार को राष्ट्रीय लोकदल की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक और सदस्यता अभियान पर प्रेस क्लब सभागार में विचार विचार विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने कहा कि रालोद पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पद चिन्हों पर चलते हुये किसानों, कमेरा वर्ग के हितों के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी के मार्ग दर्शन में निरन्तर गतिशील है। उन्होने क्षेत्रीय पदाधिकारियों से सांगठनिक स्थिति पर जानकारी प्राप्त करते हुये कहा कि मजबूत संगठन से ही राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक लक्ष्य पूरे होंगे, इसके लिये हम सबको मिलकर 2027 के विधानसभा चुनाव से पूर्व मजबूत संगठन बनाना होगा।

मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि पंचायत चुनावों की तैयारियां शुरू हो गई है। कार्यकर्ता अभी से बूथ स्तर की समीक्षा कर ले, पार्टी पूरी ताकत से चुनाव मैंदान में उतरेगी। राष्ट्रीय सचिव सुधाकर पाण्डेय और अनुपम मिश्र ने सदस्यता अभियान तेज करने पर जोर दिया। संतकबीर क्षेत्र के सदस्यता प्रभारी रजनीकान्त मिश्र ने कहा कि नियमित रूप से सदस्यता अभियान चलाने का क्रम जारी है।

प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि पूर्वान्चल में रालोद किसानों, नौजवानों, समाज के सभी वर्गो से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा रही है। इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। उपाध्यक्ष सुड्डू मिश्र, अम्बुज पटेल ने कहा कि मजबूत संगठन से ही लक्ष्य प्राप्त होंगे।

समीक्षा बैठक और सदस्यता अभियान कार्यकम की अध्यक्षता करते हुये विवेक चौधरी ने कहा कि जो विचार और सुझाव सामने आये हैं उसे पूरी तत्परता से पूरा किया जायेगा। संचालन करते हुये महिपाल पटेल ने रालोद के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बैठक से पहले राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, ऐश्वर्यराज सिंह, ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि रालोद मजबूती से जनता का भरोसा जीत रहा है और पार्टी को पूर्वान्चल में मजबूत करने के लिये निरन्तर प्रयास जारी है। इसी क्रममें औरंगजेब के साथ अनेक लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण किया।

क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से सर्वेश वर्मा, विपिन श्रीवास्तव, अशोक सिंह, चन्द्र प्रकाश दूबे, भगवानदास विश्वकर्मा, कुलदीप, सतीश दूबे, पी.के. पाठक, विपिन सिंह, शोभनाथ चौधरी, रमाशकर चौहान, विनोद कुंवर, सुग्रीव भारती, राम सिंह पटेल, राधेश्याम चौधरी, अरूण चौधरी, इरफान अहमद, गीता वर्मा, अभय पटेल, राम कृपाल चौहान, प्रदीप चौधरी, ओंकारनाथ चौधरी, परवेज अहमद, मुन्नीलाल मास्टर, त्रिपुरेश प्रताप पाठक, चन्द्रिका प्रसाद, शिव कुमार गौतम, श्रीराम मौर्य, सामईन फारूकी, कुलदीप प्रसाद, अरविन्द त्रिपाठी, शम्भू गोपाल चौधरी, गोरखनाथ चौधरी, नागेन्द्र कुमार, शेर सिंह के साथ ही संतकबीर क्षेत्र के बस्ती, गोरखपुर मण्डल और अम्बेडकर नगर जनपद के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

नेपाल में हिंदू राष्ट्र के लिए सड़कों पर उतरे हजारों लोग, पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल के पूर्व गृह मंत्री कमल थापा और लगभग आधा दर्जन अन्य लोगों को रविवार को काठमांडू में राजशाही समर्थक प्रदर्शन के दौरान प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राजशाही को बहाल करने और नेपाल को हिंदू देश के रूप में स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (त्च्च्) और आरपीपी नेपाल सहित राजशाही समर्थक समूहों ने आंदोलन के चौथे दिन यहां नारायण चौर में विरोध प्रदर्शन किया।

काठमांडू घाटी पुलिस के प्रवक्ता अपिल बोहोरा ने बताया कि आरपीपी अध्यक्ष और राजशाही के कट्टर समर्थक राजेंद्र लिंगडेन विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे और जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास बलुवाटर की ओर बढ़ने की कोशिश की तब उनका पुलिस के साथ झड़प हो गई। बोहरा ने कहा कि थापा और अन्य को नारायणहिती महल संग्रहालय क्षेत्र के आसपास प्रतिबंधित क्षेत्र का उल्लंघन करने के लिए गिरफ्तार किया गया।

सुभासपा की बैठक में बनी 10 जून को आयोजित विजय उत्सव की रणनीति

—मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लेंगे कार्यक्रम में हिस्सा– विनोद कुमार राजभर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रविवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की बैठक जिलाध्यक्ष मनोज कुमार राजभर की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 10 जून को चक्रवर्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव के विजय दिवस पर बहराइच जनपद के चित्तौडा झील नानपारा के मैंदान में आयोजित कार्यक्रम की रूप रेखा, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति पर विचार किया गया।

सुभासपा के राष्ट्रीय सचिव विनोद कुमार राजभर ने बैठक में बताया कि विजय उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री ओम प्रकाश राजभर स्वयं कार्यक्रम की सफलता के लिये निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। कहा कि यह विजय उत्सव ऐतिहासिक होगा और चक्रवर्ती सम्राट महाराजा सुहेलदेव के योगदान पर विस्तार से चर्चा होगी जिससे देश प्रदेश की जनता को ऐसे राष्ट्रवीर के बारे में विस्तार से जानकारी मिले।

पूर्व मंत्री रामललित चौधरी, वृजभूषण मिश्र, चर्तुभुजी पाण्डेय, डा. तुलसीराम, अमन राजभर, उमेश राजभर, राजेश राजभर आदि ने बैठक को सम्बोधित करते हुये महत्वपूर्ण सुझाव दिये। मुख्य रूप से लक्ष्मी देवी राजभर, अर्जुन राजभर, सत्येन्द्र शुक्ल, रामकिशुन राजभर, विजय कुमार राजभर, अजय राजभर, राजन राजभर, बब्लू यादव, दीपक यादव, टिम्मल राजभर, राजकुमार राजभर, जितेन्द्र राजभर, उमेश चन्द यादव, परशुराम चौधरी, लालमन पासवान, दिनेश राजभर, नन्दलाल राजभर, शिव प्रताप सिंह, अर्जुन राजभर के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हृदय रोगियों के लिये बड़ी उम्मीद बनकर उभर रहा है सत्या मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों का समुचित और कम शुल्क में इलाज एक बड़ी चुनौती है। अनेक लोग आर्थिक अभाव के कारण बीमारियों को ढोते रहते हैं। ऐसे मरीजों के लिये कलवारी रोड पर स्थित सत्या मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एक उम्मीद बनकर सामने आया है। प्रबंधक सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर इलाज और कम शुल्क में लोगो का जीवन बचाना उनके हास्पिटल का उद्देश्य है और लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के निःशुल्क इलाज की पूरी व्यवस्था है। नेत्र रोगियों का शिविर लगाकार आपरेशन कराया गया है।

सत्या मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के प्रबंधक सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि माह के दो मंगलवार पहले और तीसरे मंगलवार को हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा ओपीडी एवं जांच की सुविधा उपलब्ध उपलब्ध करायी गई है। डीएम कार्डियोलॉजी जीएमसी नागपुर ,एम डी मेडिसिन केजीएमसी लखनऊ, राम मनोहर लोहिया हास्पिटल लखनऊ के डा. मोहित मोहन सिंह मरीजों का समुचित इलाज करने के साथ ही उन्हें उचित परामर्श देते हैं। ईसीजी और इको कार्डियोग्राफी सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का लाभ सीधे ग्रामीण क्षेत्र के उन मरीजों को मिलने लगा है जिनके पास बाहर जाकर इलाज कराने के लिये पर्याप्त धन नही है। यह व्यवस्था गरीब मरीजों के लिये वरदान साबित हो रही है।

हॉस्पिटल के प्रबंधक सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि प्रायः देखा गया है कि समय पर समुचित इलाज न होने के कारण अनेक हृदय रोगी अचानक काल कवलित हो जाते हैं। हृदयाघात से किसी की मौत न हो और मरीजों पर आर्थिक बोझ न बढे इस बड़े उद्देश्य को लेकर हास्पिटल में हृदयरोग के इलाज का समुचित प्रबन्धा कराया गया है। बताया कि धीरे–धीरे सत्या मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल समुचित इलाज का एक महत्वपूर्ण केन्द्र बन रहा है और संतुष्ट मरीज स्वयं आगे बढकर दूसरे मरीजों को प्रेरित कर हास्पिटल भेजते हैं। कम शुल्क में समुचित इलाज हास्पिटल की प्राथमिकता है। इसके लिये सभी आवश्यक संसाधन, अत्याधुनिक तकनीक से हास्पिटल को लैश किया गया है।

अर्जक संघ ने मनाया स्थापना दिवस दिया पाखण्ड से मुक्ति का संदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। अर्जक संघ के 58 वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को सल्टौआ स्थिति एक मैरिज हाल में विशाल जनसभा का अयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता राम प्रकाश पटेल ने किया एवं संचालन राकेश पटेल ने किया । कार्यक्रम में अर्जक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार भारती ने कहा कि देश में श्रम की महत्ता दिलाने, पाखंड मुक्त समाज बनाने, वैज्ञानिक सोच स्थापित करने और मानववादी विचार, आचार, संस्कार और त्योहार स्थापित करने हेतु अर्जक संघ के कार्यकर्ता दिन–रात मेहनत कर रहे हैं। अर्जक पद्धति से शादी और शोकसभा बड़े पैमाने पर होने लगे हैं। अर्जक पर्व भी मनाए जाने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि उचित शिक्षा के अभाव में हम गरीब और निराद्रित बने हुए हैं। इसलिए अर्जक संघ समान, निःशुल्क और मानववादी शिक्षा के लिए आंदोलन करता रहा है ।

अर्जक संघ के बिहार राज्य के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता ने कहा कि अर्जक संघ भेद भाव, छुआ–छूत , ऊंच नीच ,सामाजिक असमानता ,पखण्ड को खत्म कर न्याय आधारित समाज की स्थापना करना चाहता है । अर्जक संघ के उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राम निवास वर्मा ने कहा कि अर्जक संघ अपनी विचारधारा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए स्कूलों में बच्चों तक अपनी बात पहुंचाएगा एवं उन्हें जागरूक करेगा ताकि सामाजिक आडंबर में फंसे लोग मानसिक रूप से मजबूत हों ।

कार्यक्रम को रुधौली विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी ,रजनीश पटेल , बृजेश पटेल , उमेश चन्द्र वर्मा ,फूल चन्द्र चौधरी ,बाबूराम वर्मा , राम नयन पटेल , नायब चौधरी ,प्रभाकर वर्मा ,आरटी अर्जक , रामसेवक बौद्ध , उर्मिला देवी ,गौरीशंकर ,कैलाशनाथ आदि ने संबोधित किया । वैज्ञानिक चिंतक शिया राममहतो ने जादू के माध्यम से पखण्ड और अंधविश्वास को खत्म करने के लिए लोगों को जागरूक किया। मुख्य रूप से अवधेश मौर्या ,रामचन्द्र यादव , मानिक राम चौधरी , दीपक वर्मा ,ज्योति प्रकाश वर्मा , जमुना यादव ,संजय चौधरी , राम फेर चौधरी ,बाल कृष्ण चौधरी , सत्य प्रकाश वर्मा , राजेश पटेल ,अर्जुन राजभर , आकाश , संदीप चौधरी , डीके चौधरी ,रामफेर सैनिक ,शैलेन्द्र अम्बेडकर आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 2 जून 2025 सोमवार

सम्पादकीय

मणिपुर के बदलते समीकरण

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरूआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एस बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी।

विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा।

गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया। लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं हैं, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है।

राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है।

हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो–चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरूआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।

स्पष्ट रूप से, मेइती, नगा और कुकी जनजातियों के बीच मौजूद गहरे जातीय विभाजन ने मणिपुर में ज्यादातर संघर्षों में योगदान दिया है. सालों से, जातीय पहचान ही इन समूहों के आपसी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंधों (विवादास्पद) का आधार रही है, जिसने उसे आकार दिया है।

हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है, नई सरकार के गठन के प्रयासों के समांतर जरूरत इस बात की है कि वहां संघर्षरत समुदायों के बीच विश्वास और संवाद कायम किया जाए। अच्छा हो कि इस समस्या का समाधान निकले।

रोजगार–आर्थिकी की राह और लघु उद्योग

–जयन्तीलाल भण्डारी–

इन दिनों देश में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित रिपोर्टों में एमएसएमई की बढ़ती मुश्किलों पर टिप्पणियां करते हुए इन्हें बढ़ती चुनौतियों से बचाने की जरूरत बताई जा रही हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड़ नए रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं।

गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसदी है। एमएसएमई से वर्ष 2024–25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसदी उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अतएव नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है।

यद्यपि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच अमेरिका के द्वारा भारत पर घोषित किए गए 26 फीसदी टैरिफ पर 90 दिनों के विराम ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई को कुछ राहत अवश्य दी है, लेकिन अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश एमएसएमई निर्यातक अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नए सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों से अपने बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी मान रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले माह 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में यह बात महत्वपूर्ण है कि सरकार निर्यातकों को सहारा देने के लिए 2250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन को तेजी से लागू करने और बिना रेहन के कर्ज दिए जाने की योजना बना रही है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025–26 में एमएसएमई को दिए जाने वाले कर्ज का लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 फीसदी बढ़ाकर 17.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र भी नए व्यापार युग की सच्चाइयों को समझते हुए नवाचार, प्रतिस्पर्धा, क्षमता में सुधार तथा शोध की डगर पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि एमएसएमई के लिए निर्मित होने वाली विभिन्न चुनौतियों के मद्देनजर मौजूदा वित्त वर्ष 2025–26 के बजट में में एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के उद्देश्य से बहुआयामी उपायों की एक शृंखला प्रस्तुत की है। इसके तहत वित्तीय सहायता और खरीद नीतियों से लेकर क्षमता निर्माण और बाजार एकीकरण तक की पहलें शामिल हैं। प्रमुख पहलों में उद्यम पंजीकरण पोर्टल, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएमईजीपी, स्फूर्ति और एमएसएमई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को प्रोत्साहन देना, रोजगार बढ़ाना और अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना है। उद्योगों का विस्तार करने और दक्षता में सुधार करने में मदद करने के लिए, एमएसएमई वर्गीकरण के लिए निवेश और टर्नओवर सीमा बढ़ा दी गई है।

निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं। लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के माहौल और ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नए सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार–चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी।

इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि बुनियादी ढांचे की मजबूती, अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं, कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराये जाने, ब्याज समतुल्य योजना को फिर से शुरू किया जाने तथा ऋण गारंटी कार्यक्रमों का विस्तार करने जैसे उपायों से एमएसएमई को वित्तीय राहत और स्थिरता प्रदान की जा सकती है। सरकार के द्वारा एमएसएमई को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के परिपालन में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान देते हुए जीएसटी व्यवस्था को सरल करना होगा। एमएसएमई के हित में उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का विस्तार किए जाने से विशेष रूप से निर्यात–उन्मुख एमएसएमई लाभान्वित होंगे। नवाचार की नई लहर एमएसएमई के लिए नया अध्याय लिख सकती है। इस बात पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा कि भारत के एमएसएमई गुणवत्ता को मुट्ठी में लेकर समकालीन डिजिटल तकनीकों को अपनाते हुए अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति को रणनीतिक रूप से बढ़ा सकते हैं। ऐसे विभिन्न उपायों से भारत टैरिफ की चुनौतियों को एमएसएमई के लिए उभरते हुए नए अवसरों के दौर में बदल सकता है। हम उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर तत्परतापूर्वक अधिकतम उत्पादन करते हुए अपनी राष्ट्रीय कर्तव्य निर्वहन भूमिका को अहम बनाते हुए दिखाई देंगे।–लेखक अर्थशास्त्री हैं।

न्यूनतम समर्थन मूल्य, किसान और सरकार

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एूमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। ठीक इसी तरह से उड़द में 400 रु. तो मूंग की एमएसपी में 86 रु. और अरहर की एमएसपी में 450 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013–14 से 2025–26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रुप से सकारात्मक दिषा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013–14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है।

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम् मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार की और से एफसीआई और नेफैड एमएसपी खरीद के लिए नोडल संस्था है तो कपास की खरीद सीसीआई द्वारा की जाती है। राज्यों में एफसीआई व नेफैड के लिए खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती है। खरीद की व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाईन कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। पर कहीं ना कही व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यों समझा जा सकता है कि एक समय था तब सरकारी खरीद शुरु होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मण्डियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी। पर आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार द्वारा किसी ना किसी बहानें टाली ही जाती है क्योंकि बाजरे की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है और सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। वहीं दूसरी और व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलियें इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते देखे जा रहे हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है। इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आड़तियों पर निर्भरता के कारण भी किसान का लाभ आड़तियां ले जाता है। हांलाकि यह व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा की जाती है उन फसलों के तैयार होकर मण्डियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। खरीद के लिए खरीद केन्द्र की स्थापना, तुलाई ढुलाई की व्यवस्था, बारदाना, ट्रांसपोर्टेशन, भण्डारण, भुगतान की आवश्यक व्यवस्था, बैंकों से भुगतान आदि की व्यवस्था, खरीद केन्द्रों पर पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था सहित आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित हो जानी चाहिए। इसके साथ ही आज सरकार के पास उत्पादन के सारे डेटा उपलब्ध होते हैं ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए। सरकार द्वारा पूर्व में ही यह घोषणा कि इतनी मात्रा में ही खरीद की जाएगी तो इससे राजनीति के अधिक अवसर उत्पन्न हो जाते हैं और अनावश्यक भ्रम के हालात बन जाते हैं। ऐसे हालात से बचा जाना जरुरी हो जाता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है। सरकार को कोई ना कोई ऐसी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी जिससे बाजरा उत्पादक किसान एमएसपी दर घोषित होने के बावजूद अपने आपकों ठगा महसूस ना कर सके। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है ऐसे में इस और अधिक गंभीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि अभी तो बुवाई से फसल पकने तक का तीन से चार माह का समय सरकार के पास होगा।

बेटियां विरासत नहीं, संवेदना का सच

– प्रियंका सौरभ–

भारतीय समाज में सदियों से यह धारणा रही है कि बेटा ही वंश चलाता है, बेटा ही अर्थी को कंधा देगा, बेटा ही संपत्ति का उत्तराधिकारी होगा। यह सोच न सिर्फ बेटियों को दोयम दर्जे में धकेलती है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाती है। पर समय ने बार–बार यह सिद्ध किया है कि वंश केवल नाम का नहीं होता, वंश वह संवेदना है जिसे कोई भी आगे बढ़ा सकता है। कितनी ही बेटियाँ हैं जो अपने बूढ़े माँ–बाप की सेवा करती हैं, उन्हें सहारा देती हैं और उनकी अंतिम इच्छा तक निभाती हैं। आज जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, जब बेटे महानगरों में अपने करियर में व्यस्त हैं, तब वहीं बेटियाँ अपने माँ–बाप के पास रहकर उन्हें मानसिक, भावनात्मक और कभी–कभी आर्थिक संबल भी दे रही हैं। जब किसी घर में दुख आता है, तो आँसू किसी रिश्ते, लिंग या वर्ग को नहीं देखते। माँ की ममता और बेटी का दुलारकृदोनों में दर्द की वही भाषा होती है। मौत एक ऐसी सच्चाई है जो सबको एक छतरी के नीचे खड़ा कर देती है। उस क्षण न कोई बेटा बड़ा होता है न बेटी छोटी। उस क्षण सिर्फ इंसान होता हैकृसमर्पित, भावुक, टूटता हुआ।

हमारे समाज में मृत्यु के बाद का अनुष्ठान बेटे के जिम्मे होता है। लेकिन क्या भावनात्मक जिम्मेदारी केवल एक लिंग पर थोपना उचित है? जब बेटी भी उसी दुख को झेलती है, वही आँसू बहाती है, तो वह अधिकारों में कमतर क्यों? आज का भारत एक संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहाँ बेटियों को पढ़ाया जा रहा है, आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, पर मानसिकता का बदला जाना अभी अधूरा है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा तो है, पर क्या हम बेटियों को जीवन के हर अधिकार में समान दर्जा दे पा रहे हैं? क्या उन्हें संपत्ति, परंपरा और निर्णयों में बराबरी का स्थान मिल रहा है?

सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बेटियों को संपत्ति के अधिकार, पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी और सामाजिक सम्मान की भी जरूरत है। यह बदलाव सिर्फ कानून से नहीं, बल्कि विचारों से आएगा। राजस्थान के छोटे गाँवों से लेकर महानगरों तक, हजारों बेटियाँ अपने माता–पिता के लिए वह संबल बनीं हैं जिसकी कल्पना समाज बेटों से करता था। एक उदाहरण महाराष्ट्र की प्रियंका का है, जिसने अपने पिता की मृत्यु पर विधिवत अंतिम संस्कार किया, गाँव ने विरोध किया, पर वह डटी रही। आज गाँव की अन्य लड़कियाँ उसे अपना आदर्श मानती हैं। एक अन्य कहानी उत्तर प्रदेश की सीमा की है, जिसने अपने पिता के बीमार होने पर नौकरी छोड़ दी और तीन वर्षों तक दिन–रात सेवा की। अंत में जब पिता का देहांत हुआ, तो सीमा ने अकेले सारे कर्मकांड निभाए।

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 2005 के संशोधन के बाद बेटियों को संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला है। पर सामाजिक स्तर पर यह अधिकार कितनी बार स्वीकारा गया है? अदालतें भले ही बेटियों को बराबरी दें, पर समाज अब भी मानसिक तौर पर इस बदलाव को पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाया है। कई बार बेटियों को स्वेच्छा से 'हक छोड़ने' के लिए मजबूर किया जाता है ताकि बेटों का हिस्सा बना रहे। यह श्त्यागश नहीं, एक सुनियोजित सामाजिक दबाव है।

संवेदनशील होना कमजोरी नहीं होती। सहनशीलता को ही हमने दुर्बलता मान लिया है। बेटियाँ घर की शांति होती हैं, स्नेह का प्रवाह होती हैं और दुख की सबसे पहली साथी होती हैं। अगर यही गुण बेटे में हों, तो उन्हें श्समझदारश कहा जाता है, फिर बेटियों को 'कमजोर' क्यों? बेटियाँ अक्सर परिवार की भावनात्मक रीढ़ होती हैं। वे संघर्षों को चुपचाप सहती हैं और फिर भी मुस्कुराती हैं। क्या यह शक्ति नहीं?

बेटा जरूरी हैकृयह सोच एक सामाजिक भ्रम है। वंश वही चलता है जहाँ संस्कार होते हैं, और संस्कार बेटा या बेटी में नहीं, पालन–पोषण और संबंध में होते हैं। जो बेटी पिता की चिता को अग्नि दे, क्या वह उससे कम है जो पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाता है? नयी पीढ़ी को यह समझना होगा कि परिवार की जिम्मेदारियाँ केवल बेटों की नहीं होतीं। बेटियाँ भी माँ–बाप की बुढ़ापे की लाठी हो सकती हैं, अगर समाज उन्हें वह अवसर और अधिकार दे।

विरासत वह भी होती है जो आँसुओं में झलकती है, जो संवेदनाओं में बहती है, जो संस्कारों में जीती है। बेटियाँ वह विरासत हैं जो सिर्फ खून का नहीं, प्रेम और सेवा का रिश्ता आगे बढ़ाती हैं। आजकल परिवारों में यह देखा गया है कि बेटियाँ अपने माँ–बाप के खर्च का बोझ भी उठाती हैं, उनकी बीमारी में दवा से लेकर देखभाल तक सब कुछ करती हैं।

एक बेटी जब अपने पिता को खाट पर देखती है, तो वह सिर्फ एक मरीज को नहीं, अपने जीवन के स्तंभ को गिरते हुए देखती है। उसका दर्द, उसकी सेवा किसी भी बेटे से कम नहीं होती।

हमारे टेलीविजन धारावाहिकों और फिल्मों में बेटियों को या तो बोझ के रूप में या फिर त्याग की देवी के रूप में दिखाया जाता है। यह चरम सीमाएँ हैं। हमें जरूरत है ऐसी कहानियों की जो बेटियों को वास्तविक, सशक्त और स्वाभाविक रूप में प्रस्तुत करें। जब समाज का सांस्कृतिक प्रतिबिंब बदलता है, तब मानसिकता भी बदलती है। समाज को चाहिए कि वह बेटियों को केवल एक विकल्प के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें एक पूर्ण, सक्षम उत्तराधिकारी माने। बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सिर्फ नारे नहीं, एक गहरी सामाजिक क्रांति की शुरुआत है। स्कूलों में समानता की शिक्षा हो, पंचायतों में बेटियों की भागीदारी हो, और घरों में उनके फैसलों को सम्मान मिलेकृतभी यह बदलाव स्थायी होगा। आज के दौर में जब परिवार, रिश्ते और मूल्यों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब बेटियों की भूमिका को एक बार फिर नए दृष्टिकोण से समझना जरूरी है। वे केवल सहारा नहीं, शक्ति हैं। वे सिर्फ संवेदना नहीं, उत्तराधिकार की हकदार हैं।

कर्ज में डूबे दुकानदार ने फंदे से लटक कर दी जान

संवाददाता—महराजगंज। कर्ज में डूबे महराजगंज जिले के इंदिरानगर निवासी दुकानदार नंद पटवा ने रविवार की सुबह फंदे से लटक कर जान दे दी। उनका शव घर से 200 मीटर दूर दुकान के बगल में बरामदे में कुंडी के सहारे लटका मिला। उनके और पत्नी के नाम पर करीब चार लाख का कर्ज था, जो बढ़ कर पांच लाख से अधिक हो गया है। पत्नी का आरोप है कि बैंक कर्मी व एजेंट रुपया जमा कराने के लिए उनपर दबाव बना रहे थे। जिसके चलते वह परेशान थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नंद पटवा ने इंदिरानगर में ही एक किराए पर दुकान ली थी। इसी दुकान के माध्यम से वह घूम—घूमकर गैस चूल्हा, स्टोप, कूकर आदि मरम्मत का कार्य करते थे। इधर कुछ दिनों से वह काफी परेशान रहते थे। उन्होंने पत्नी माया के नाम से वर्ष 2022 में एस एस माइक्रोफाइनेंस से 20,000 रुपये ऋण लिया था।

इसी प्रकार सितंबर 2023 में बंधन बैंक से पत्नी माया के नाम से 187000 रुपये तथा मार्च 2024 में उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड से 75000 रुपये तथा खुद के नाम सहित कुल चार लाख रुपये का ऋण लिया था। बैंक कर्मी व एजेंट दुकानदार के घर जाकर उसे जमा करने के लिए दबाव बना रहे थे। जिसके चलते वह परेशान रहते थे। उनकी दो बेटी पिंकी पटवा इंटरमीडिएट, प्रतिमा हाई स्कूल और देव्यांशु पटवा आठ में पढ़ते हैं। शनिवार की रात सभी खा—पीकर कमरे में सोने चले गए। नंद पटवा रविवार की भोर में करीब चार बजे घर से निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे। सुबह करीब साढ़े पांच बजे दुकान के बगल के बरामदे में फंदे से लटका उनका शव मिला।

मृतक की पत्नी माया ने बताया कि बैंक कर्मी व एजेंट द्वारा बार—बार तगादा करने से वह काफी परेशान थे। आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली है। सदर कोतवाल सत्येन्द्र कुमार राय ने बताया कि नंद पटवा का शव इंदिरानगर में दुकान के बगल के बरामदे में फंदे से लटका मिला है। वह काफी कर्जे में डूबे थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित होकर पलटा बालू लदा ट्रक, नीचे दबने से महिला की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। रविवार को मवेशियों को बचाने के प्रयास में बालू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक के नीचे दबने से एक महिला की मौत हो गई। जबकि उसका पुत्र व दामाद का भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी से बालू व ट्रक को हटवाकर शव को बाहर निकलवाया। घायलों को मेडिकल कॉलेज बहराइच ले जाया गया। हादसा सोनवा क्षेत्र के बदला—बरदेहरा मार्ग पर घूम बोझी के निकट हुआ। भिनगा नगर निवासी शमीम की पुत्री का विवाह गिरंट बाजार निवासी रिजवान से हुआ है। रविवार को रिजवान का भाई सुफियान (20) भिनगा आया था। यहां से वह अपने भाई की सास कमरुल निशा (40) व भाई शमीम (8) को लेकर बाइक से गिरंट बाजार जा रहा था। रास्ते में मथुरा प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घूम बोझी के पास बालू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान कमरुल निशा, सुफियान व तौहीद ट्रक के नीचे आ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी से बालू व ट्रक हटवाकर तीनों को बाहर निकाला। इस दौरान कमरुल निशा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सूफियान व तौहीद की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें एंबुलेंस से मेडिकल कालेज बहराइच ले जाया गया। घटना की जानकारी पर पहुंचे सीओ संतोष कुमार व थाना प्रभारी सोनवा गणनाथ प्रसाद व चौकी प्रभारी विवेक राठौर ने घटनास्थल का जायजा लिया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नेशनल हाईवे पर गैस कैप्सूल के केबिन में लगी भीषण आग, ग्रामीणों में मची भगदड़

संवाददाता—गोण्डा। गोरखपुर—लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर नवाबगंज थाना क्षेत्र में लोलपुर गांव के निकट गैस से भरे कैप्सूल के केबिन में अचानक से आग लग गई। देखते ही देखते कैप्सूल का केबिन आग का गोला बन गया। कैप्सूल से उठ रही आग की लपटें देखकर ग्रामीणों में भी भगदड़ मच गई। आग लगने की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय युवाओं की मदद से रेस्क्यू किया। हालांकि पुलिस की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया कोई जनहानि नहीं हुई। गनीमत यह रही आग की लपटें गैस भरे कैप्सूल तक नहीं पहुंच पाई। इससे फोरलेन पर एक बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना की सूचना पर सीओ तरबगंज यूपी सिंह, एसएस आई विश्वास चतुर्वेदी भी मौके पर पहुंच गए। टैंकर चालक रामू पुत्र राम लाल ने बताया की मध्य प्रदेश से गैस लेकिर बिहार जा रहा था। रविवार को दिन में दो बजे के आसपास टैंकर को लोलपुर गांव के पास फोरलेन के किनारे खड़ी करके एक ढाबे पर खाना खा रहा था तभी अचानक आग लग गई और कैप्सूल की केबिन धू—धूकर जलने लगा जिससे अफरा—तफरी मच गई। सरयू घाट चौकी प्रभारी संजीव सिंह ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। केबिन में शार्टसर्किट की वजह से आग लगी थी।

चन्दरखा बुजुर्ग में पुलिस चौकी बनकर तैयार

संवाददाता—श्रावस्ती। जन सहयोग से चन्दरखा बुजुर्ग में पुलिस चौकी बनकर तैयार हो गई। शनिवार शाम को भाजपा जिलाध्यक्ष डा. मिश्रीलाल वर्मा, डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया ने फीता काटकर व शिलापट्ट का अनावरण कर नवनिर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन किया। नवनिर्मित पुलिस चौकी भवन में कार्यालय, आरक्षी बैरक, चौकी प्रभारी कक्ष आदि बनवाए गए हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. मिश्रीलाल वर्मा ने कहा कि इस चौकी के स्थापना से स्थानीय लोगों को समय से पुलिस सहायता मिल सकेगी। साथ ही इलाके में अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी जो प्रदेश के मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। वहीं डीएम ने कहा कि बहराइच—श्रावस्ती सीमा होने के कारण चन्दरखा बुजुर्ग पुलिस चौकी बेहद महत्वपूर्ण है। सुरक्षा को लेकर यहां पर पुलिस चौकी स्थापित की गई है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अब यह पुलिस चौकी जनता की सेवाओं में समर्पित है। क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के साथ ही लोगों को समय से न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि उन लोगों का धन्यवाद है जिन्होंने चौकी के भवन निर्माण में सहयोग प्रदान किया है। उन्होंने लोगों का कुशलक्षेम पूंछा। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी सतीश कुमार शर्मा, थाना प्रभारी आदि मौजूद रहे।

तंबाकू सेवन से बढ़ रही है स्वास्थ्य की समस्या —सीएमओ

संवाददाता—महराजगंज। सीएमओ कार्यालय सभागार में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में सीएमओ डॉ. श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि हर वर्ग में तम्बाकू सेवन से जन स्वास्थ्य की समस्या बढ़ रही है। कुछ लोग तम्बाकू सेवन के कारण असमय मृत्यु के शिकार हो जाते हैं। इसे समय रहते जागरूकता से बचाया जा सकता है। एसीएमओ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य तम्बाकू के सेवन से नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकृष्ट कराना है। तम्बाकू सेवन से होने वाली समस्याओं से बचाव के बारे में जागरूक करना है। इसके लिए जन समुदाय स्तर पर भी लोगों में जागरूकता लानी जरूरी है। डिप्टी सीएमओ डॉ. केपी ने कहा कि सिगरेट और तम्बाकू के भंडारण, खरीद और बिक्री भी पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। इसके लिए अधिनियम 4, अधिनियम 5, अधिनियम 6 ए, अधिनियम 6 बी तथा अधिनियम 7 लागू कर दिया गया है। अधिनियम 4 के अंतर्गत सभी सार्वजनिक स्थान जैसे सभागृह, शासकीय, अशासकीय कार्यालय, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, प्रतीक्षालय, मनोरंजन केन्द्र, न्यायालय परिसर, शिक्षण संस्थान, लोक परिवहन आदि में धूम्रपान करना प्रतिबंधित है। इसी प्रकार अधिनियम 6 ए 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों द्वारा तम्बाकू उत्पाद खरीदना, बेचना प्रतिबंधित करती है, जबकि अधिनियम 6 बी शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित करती है। गोष्ठी में चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

बाइक चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, 14 बाइक बरामद

संवाददाता—श्रावस्ती।। पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने वाहन चोर गिरोह का भांडाफोड़ करते हुए गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। साथ ही जंगल में छिपाकर रखी गई चोरी की 14 बाइक बरामद की। बरामद बाइक को जब्त कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया। सिरसिया थाने के थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय को रविवार तड़के मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति नेपाल सीमा के निकट जंगल में चोरी की मोटरसाइकिलें इकट्ठा कर उन्हें नेपाल भेजने की योजना बना रहे हैं।

सूचना के बाद थानाध्यक्ष ने उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया। जिसके बाद एसपी घनश्याम चौरसिया की ओर से थानाध्यक्ष व एसओजी नितिन यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने सीमावर्ती क्षेत्र स्थित सहदेइया पुल के पास घेराबंदी करते हुए तीन संदिग्धों को दबोच लिया। जिनसे उनके पास मौजूद बाइक के बारे में पूंछताछ की गई तो पता चला कि वह चोरी की थी। साथ ही आरोपियों ने बताया कि उन्होंने विभिन्न जनपदों से चुराई गई 11 और बाइकों को नेपाल सीमा के पास जंगल में स्थित झाड़ियों के बीच छिपा कर रखा। पुलिस ने मौके पर तीनों बाइकों को जब्त करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उनकी निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखी गई 11 और बाइकों को बरामद कर जब्त कर लिया। आरोपियों की पहचान तोताराम पुत्र दयाराम व दिलगजन पुत्र श्रीराम निवासी रमवापुर थाना सोनवा तथा किशोरी लाल पुत्र रामसेवक निवासी बनघुसरी थाना नवाबगंज जनपद बहराइच के रूप में हुई। आरोपियों के कब्जे से 15 हजार रुपये भी पुलिस ने बरामद किए हैं। नकली नम्बर प्लेट व पेपर तैयार कर बेंचते थे बाइक— मामले का खुलासा करते हुए एसपी घनश्याम चौरसिया ने बताया कि आरोपी लंबे समय से श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, गोण्डा सहित कई जनपदों से मोटरसाइकिल की चोरी करते रहे हैं। बाइक चोरी करने के बाद यह अपराधी उनका फर्जी नंबर प्लेट व नकली कागज बनाते लेते थे। चोरी की बाइकों को नेपाल सीमा के निकट जंगलों में छिपाकर रखते थे तथा मौका देखकर सीमा पार कर नेपाल में ले जाकर बेंच देते थे। क्योंकि नेपाल में बाइक की भारी डिमांड के कारण उन्हें अच्छी कीमत मिल जाती है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अभियुक्तों में से तोताराम जिस पर पूर्व में भी थाना मल्हीपुर में मामला दर्ज किया गया था। पहले भी तोताराम व अन्य के कब्जे से 13 मोटरसाइकिल बरामद कर जेल भेजा गया था।

दो साल के बच्चे पर जंगली जानवर ने किया हमला, आंख हुई जख्मी, करना पड़ा आपरेशन

संवाददाता—गोण्डा। खरगुपुर के गौनरिया के तमहीपुरवा में जंगली जानवर के हमले से चार महीने की मासूम बच्ची की मौत के बाद रविवार दोपहर इसी गांव के नागबाबा पुरवा में एक और दो वर्षीय मासूम शिवांश पर हमला कर दिया। हालांकि इस दौरान बच्चे की बड़ी मां माधुरी देवी ने जानवर से बचाने में कामयाबी हासिल की है। बच्चे को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नागपुरवा निवासी श्रवण की पत्नी माधुरी ने बताया कि दोपहर करीब 12रु30 बजे उनके देवर शिवभोले का दो वर्षीय बेटा शिवांश घर में ही खेल रहा था। इसी बीच खेलते—खेलते बाहर निकल गया। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर माधुरी बाहर निकलीं तो जानवर बच्चे को ले जाता दिखाई दिया। माधुरी ने बच्चे को बचाने के प्रयास किए तो उन पर भी जानवर ने हमला कर दिया। खुद को बचाते हुए शोर मचाया तो वहां लोग पहुंच गए लेकिन तब तक जानवर ने बच्चे को बुरी तरह से हमलाकर जख्मी कर दिया। वहां पर अन्य लोगों के पहुंचने से जानवर भाग निकला। जानवर के हमले से शिवांश की आंख व गले पर गहरे जख्म आये हैं। आनन—फानन में परिजन बच्चे को रुपईडीह पीएचसी

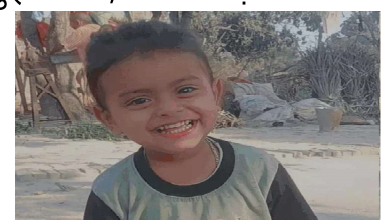

पर ले गए। वहां हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

परिजनों ने बताया कि बच्चे के बेहतर इलाज के लिए एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वहां पर डॉक्टरों ने बच्चे के आंखों का सफल ऑपरेशन किया है। जंगली जानवर के दोबारा किसी बच्चे पर हमले से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सूचना पर थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। साथ ही वन विभाग की टीम को घटना की जानकारी दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौनरिया के नागबाबापुरवा से सटे तमहीपुरवा में 22 मई को जंगली जानवर एक चार महीने की बच्ची को आंगन से उठा ले गया था। इस दौरान घर से कुछ दूरी पर रवींद्र कुमार की बेटी गंगोत्री का शव मिला था। बावजूद इसके प्रशासन ने गंभीरता से नहीं लिया। इतना ही नहीं, जानवर की तलाश नहीं की जा सकी। ऐसे में दूसरी वारदात के बाद इलाके में खलबली मच गई है। वन विभाग की टीम बच्चे के हमले के बादलकीर पीटती नजर आई। यहां रेंजर मो. इमरान खान, डिप्टी रेंजर अभिषेक प्रताप और एसआई विनय कुमार मौके पर पहुंचे। इस दौरान जानवर के पगचिन्ह का सैंपल लिया है। उन्होंने बताया कि जांच के लिए भेजा जा रहा है। इसके बाद जानवर की पुष्टि हो सकेगी। प्रथमदृष्टया सियार जैसे किसी जानवर के हमले की आशंका जताई जा रही है।

नशामुक्ति के लिए रैली निकालकर किया गया जागरूक

संवाददाता—महराजगंज। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गायत्री परिवार के सदस्यों एवं आदर्श इंटर कालेज सिन्दुरिया की छात्र—छात्राओं ने नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता रैली निकाली। प्रबंधक यंत्री प्रसाद विश्वकर्मा ने रैली को रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। रैली विद्यालय से शितलापुर व सिंदुरिया होते हुए गायत्री प्रज्ञा पीठ पहुंची। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक मंगरू प्रसाद गुप्ता ने कहा कि नशा समाज को खोखला कर देता है। जो लोग नशा बेचने का काम करते हैं, वह समाज के दुश्मन हैं। प्रधानाचार्य कृष्ण गोपाल विश्वकर्मा ने कहा कि हमें सबसे पहले गांव के हर नागरिक को नशे से बचाने का काम करना होगा।

गांव को नशा मुक्त करने में हमें हरसंभव प्रयास करना चाहिए। रैली में गायत्री परिवार के सदस्य रामफल गुप्ता, जगदीश गुप्ता, वीरेश, शंभू चौधरी, रामाशंकर चौधरी, रामेष्ट पटेल, विद्यालय के शिक्षक हरेंद्र पाल, अखिलेश भारती, रामबड़ाई शर्मा, विनोद यादव, आलोक रंजन, शंभू यादव, सुरेश प्रजापति, जितेंद्र खरवार, सुनील श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

31 स्वास्थ्य केंद्रों पर 2401 मरीजों का हुआ मुफ्त इलाज

संवाददाता—महराजगंज। रविवार को 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले आयोजित किए गए। मेलों में कुल 2401 मरीजों का इलाज हुआ। इनमें 1053 पुरुष, 803 महिलाएं और 545 बच्चे शामिल थे।

मेलों में लोगों को सामान्य और मौसमी बीमारियों की जांच और इलाज की सुविधा मिली। डॉक्टरों ने गर्मी से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और संक्रमण से बचने की जानकारी दी। चिकित्सकों ने भीषण गर्मी में अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी। धूप में जाना पड़े तो सिर ढककर निकलने को कहा।

स्वास्थ्यकर्मियों के अनुसार, मेलों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को निःशुल्क इलाज और जांच की सुविधा देना है। गंभीर मामलों में मरीजों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जिला अस्पतालों में रेफर किया गया। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की कि बुखार, खांसी, उल्टी या डायरिया जैसी समस्या होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। मेले में लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व और नियमित जांच की आवश्यकता के बारे में भी बताया गया।

गन्ने के खेत में मिला क्षत विक्षत शव, हत्या की आशंका

संवाददाता—गोण्डा। एक अधेड़ का क्षत विक्षत शव गांव में गन्ने के खेत में शनिवार रात को मिला। पुलिस ने शव की पहचान के प्रयास शुरू किए। एक युवक ने कपड़े से अपने पिता के शव की पहचान की। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर रविवार दोपहर में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। बेटे ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। विशेश्वरगंज थाने के पटना के मजरे टिकुइया के बगल स्थित पटना गांव में शनिवार रात गन्ने के खेत में एक अधेड़ की क्षत विक्षत लाश पड़ी देख गांव में सनसनी फैल गई। लोगों की भीड़ मौके पर पहुंची। सूचना पर एसएचओ ज्ञान सिंह पुलिस व फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे। शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू हुए। टिकुइया निवासी संदीप भी अपने लापता पिता की तलाश करता मौके पर पहुंचा। चेहरा क्षत विक्षत होने के चलते उसने शरीर पर पहने कपड़े से शव की शिनाख्त अपने पिता मुंशीलाल (45) पुत्र बाबादीन के रूप में की। शव की पहचान होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मार्च्युरी में रखवा दिया। रविवार दोपहर में पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। संदीप ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। संदीप के अनुसार उनके पिता मुंशीलाल सुबह बिना बताए घर से कहीं चले गए थे। और काफी देर तक वापस नहीं आए। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे।

दवा लेकर घर लौट रही महिला को बाइक सवार ने मारी गोली, हालत गंभीर

संवाददाता—देवरिया। जनपद के एकौना थाना क्षेत्र में एक महिला, जो दवा कराकर लौट रही थी, बाइक सवार बदमाशों द्वारा गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें रेफर किया गया। जनपद के एकौना थाना क्षेत्र के धरमपुरवा के समीप रविवार की दोपहर दवा कराकर घर लौट रही महिला के सीने में बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के लिए महिला को सीएचसी रुद्रपुर पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर देख चिकित्सक ने महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। हालांकि अभी तक घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। एकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पलिया की रहने वाली दुर्गावती देवी (55) पत्नी गुलाब यादव की तबीयत खराब चल रही है। दोपहर को वह अपना उपचार कराने के लिए पचलड़ी चौराहे पर दवा कराने के लिए गई थीं।

दवा कराकर अभी धरमपुरवा के समीप पैदल पहुंची थी, इस बीच बाइक पर सवार चार युवक आए और उन्हें रोक लिया। इसके बाद सीने में गोली मार दी। जिससे वह वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायलावस्था में देख दुर्गावती को सीएचसी पहुंचाया। थानाध्यक्ष भी पुलिस बल के साथ पहुंच गए और नाकाबंदी कराकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अभिषेक राय ने बताया कि महिला को गोली लगी है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही घटना के कारणों को पता चल जाएगा।

प्रमुख सचिव ने किया अभिलेखों का सत्यापन

संवाददाता—श्रावस्ती।। प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता विभाग रणवीर प्रसाद ने शनिवार शाम को इकौना क्षेत्र के पंचायत भवन कटरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत भवन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर जायजा लिया। प्रमुख सचिव ने पंचायत कार्यालय में रखे अभिलेखों का सत्यापन किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित रजिस्टर, भुगतान विवरण और लाभार्थी सूचियों की जांच की। अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभिलेखों का रख—रखाव नियमित और पारदर्शी ढंग से किया जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत में कराए जा रहे विकास कार्यों के प्रगति की भी समीक्षा की।

संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय में व गुणवत्ता पूर्ण तथा मानक के अनुरूप पूरा कराया जाय। इसके बाद प्रमुख सचिव ने श्रावस्ती स्थित एयरपोर्ट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एयरपोर्ट की संचालन व्यवस्थाओं, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा मानकों आदि की समीक्षा की। साथ ही टर्मिनल भवन, चेक—इन काउंटर व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने प्रमुख सचिव को अवगत कराया कि उनकी ओर से समय—समय पर वह एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सुरक्षा सम्बन्धी निर्देश निर्गत किये जाते है। इस मौके पर सीडीओ शाहिद अहमद आदि मौजूद रहे।

एक लाख के इनामी अजय तिवारी समेत दो को एसटीएफ ने उठाया

संवाददाता—देवरिया। कभी शराब तस्करी में शामिल रहा गवन के आरोपी अजय तिवारी व उसके साथी रमेश यादव को गोरखपुर की एसटीएफ ने कुशीनगर से दबोच लिया। अजय पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। जिले में दर्ज धोखाधड़ी के कई मामलों में अजय फरार चल रहा था। देर रात तक कोतवाली पुलिस इनामी अजय व रमेश से पूछताछ कर रही थी। पुलिस के अनुसार उसने पूछताछ में शराब तस्करी कराने की बात भी कबूल की है। शराब कारोबार में शामिल शहर के रामगुलाम टोला निवासी अजय तिवारी पुत्र चुम्मन तिवारी का 11 दिसंबर 2023 को बनकटा थाना क्षेत्र के जंजीरहा में पकड़ी गई अवैध शराब के मामले में नाम आया।

इसके बाद इसके विरुद्ध लगातार जालसाजी के मुकदमे दर्ज होने लगे। 25 दिसंबर 2024 को सलेमपुर की ब्लाक प्रमुख सीमा सिंह ने अजय तिवारी, उसकी पत्नी जागृति चौधरी, रामचंद्र यादव व रमेश यादव के विरुद्ध 2.61 करोड़ का धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। इसके बाद 8 दिसंबर 2024 लार थाना क्षेत्र के बरडीहा दलपत निवासी अमरेश प्रताप सिंह ने अजय तिवारी, रामचंद्र यादव व रमेश यादव के विरुद्ध 1.14 करोड़ रुपये हड़प लेने का केस दर्ज कराया। इसी तरह देवरिया खास की रहने वाली उमा जायसवाल ने 12 फरवरी 2025 को सदर कोतवाली में अजय तिवारी व उसकी पत्नी जागृति चौधरी पर धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया। 12 फरवरी को ही न्यू कालोनी निवासी संजय पांडेय ने अजय व उसकी पत्नी जागृति चौधरी के विरुद्ध धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। 21 मई 2025 को तिवारी टोला लार निवासी सोनू जायसवाल ने भी अजय तिवारी के विरुद्ध 69 लाख रुपये हड़प लेने का केस दर्ज कराया है। केस दर्ज होने के बाद से ही अजय तिवारी, उसकी पत्नी व अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। अजय तिवारी पर एक लाख रुपये का इनाम था तो उसके साथी रमेश यादव निवासी सिरसिया महादेवा थाना रामपुर कारखाना के ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। अजय की गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ लगाई गई थी। मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ गोरखपुर की टीम ने अजय तिवारी व उसके साथी रमेश यादव को देर शाम कुशीनगर जनपद से दबोच लिया और कोतवाली लेकर चली आई। देर रात तक कोतवाली में एसओजी, एसटीएफ व कोतवाली पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही थी। पूछताछ में उसने बताया कि वह पहले शराब की दुकान व गोदाम पर काम करता था। बाद में जड़ी सिंह के साथ मिलकर वह बिहार में शराब तस्करी में भी शामिल हो गया। कुछ लोगों का रुपया लेकर वह कोलकाता में अपनी एक कंपनी खोल लिया था।

राम मंदिर में दूसरी बार होगी प्राण प्रतिष्ठा अपने पूरे परिवार के साथ विराजेंगे राजाराम

संवाददाता–अयोध्या। 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम बालक राम के रूप में स्थापित किए गए थे। अब दूसरी प्राण प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे। राम मंदिर के पहले तल पर राजाराम का दरबार होगा। इस दरबार में भगवान राम उनके अनुज लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता जानकी और सेवक हनुमान होंगे। पांच जून को अयोध्या में पूरी तरह से बन कर तैयार राम मंदिर के दूसरे प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओ में भी भारी उत्साह है। रामलला के दर्शन करने के बाद राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालु उत्साहित हैं। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के बारे में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि रामनगरी फुलप्रूफ सुरक्षा के लिहाज से परिपूर्ण है। जो भी कार्यक्रम स्थल हैं, वहां पर अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जो श्रद्धालु अयोध्या में दर्शन करने आ रहे हैं, उनको भी कोई दिक्कत न होने पाए, इसका भी ख्याल रखा जा रहा है।

राजा राम के साथ सात अन्य उप मंदिरों में भी स्थापित मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसमें परकोटा के ईशान कोण पर शिवलिंग, अग्नि कोण में प्रथम पूज्य श्रीगणेश, दक्षिणी भुजा के मध्य में महाबली हनुमान, नैरित्र कोण में प्रत्यक्ष देवता सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती, उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही मुख्य मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार और परकोटा के दक्षिणी पश्चिमी कोने में शेषावतार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के 16 महीने बाद अयोध्या में पूरी तरह से बनकर तैयार भव्य राम मंदिर के एक और प्राण प्रतिष्ठा और अभिषेक समारोह की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। इस कार्यक्रम में 8000 से अधिक लोगों ने भाग लिया था। इसके मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। इस बार मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम एक तरह से मंदिर निर्माण का समापन भी होगा, जो पांच अगस्त 2020 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शुरू हुआ था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में राम मंदिर भवन निर्माण समिति का गठन किया गया था। इसकी कमान प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र संभाल रहे हैं। राम मंदिर के पहले तल पर राजाराम का दरबार होगा। यहां पर सभी दरवाजे लगा दिए गए हैं। परकोटा के बीच निर्मित छह पूरक मंदिरों व सप्त ऋषियों के सात मंदिरो में भी कपाट लगाने का काम पूरा हो गया है। शिव मंदिर में शिवलिंग की स्थापना का काम चल रहा है। श्रीराम जन्मभूमि के 2.77 एकड़ पर निर्मित राम मंदिर के पहले तल पर भगवान श्रीराम, माता जानकी और उनके तीनों अनुज व हनुमान जी का विग्रह स्थापित किया जा चुका है। इसी की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। राम मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इसकी लंबाई पूरब पश्चिम 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फिट है। यह कुल 392 खंभों और 44 दरवाजों से युक्त है।

22 जनवरी 2024 को भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त काशी के विद्वान पंडितों निकाला था लेकिन इस बार जो प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है, इसका मुहूर्त अयोध्या के विद्वानों ने ही निकाला है। अयोध्या के प्रख्यात आचार्य पंडित प्रदीप शर्मा, आचार्य राकेश तिवारी और आचार्य रघुनाथ दास शास्त्री ने प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला है। पांच जून को गंगा दशहरा भी है। माना जाता है कि गंगा दशहरा से ही द्वापर युग की शुरुआत होती है। इसी दिन रामेश्वरम की स्थापना भी हुई थी।

दो जून को सरयू तट से मातृ शक्तियां जल कलश यात्रा निकालेंगी। कलश यात्रा के अगले दिन तीन दिवसीय आयोजन ज्येष्ठ शुक्ल की अष्टमी तीन जून से प्रारंभ होकर दशमी पांच जून को पूजा, भोग और आरती के साथ पूरा होगा। सभी अनुष्ठान दो दिन सुबह 6:30 बजे प्रारंभ होगा और 6:30 बजे ही समाप्त होगा। पांच जून को सुबह 6:30 बजे अनुष्ठान प्रारंभ होकर 11:20 तक चलेगा। सुबह 11:25 से 11:40 तक का अभिजीत मुहूर्त है। इसी अभिजीत मुहूर्त में राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। चंदौली के विद्वान प्रकांड पंडित जयप्रकाश तिवारी 101 वैदिक आचार्यों के साथ आठों मंदिरों में देव विग्रहों की एक साथ प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। 22 जनवरी 2024 को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मुख्य यजमान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र सपत्नीक यजमान बने थे। इस बार भी यह सौभाग्य डॉ. अनिल मिश्र को ही मिल रहा है। डॉ. मिश्र दूसरे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के भी यजमान होंगे।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाने की शुरू हुई कवायद

संवाददाता–संतकबीरनगर। डीएम की पहल पर औद्योगिक क्षेत्र खलीलाबाद में ओडीओपी योजना के होजरी उद्योग का कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाने के लिए प्रकिया शुरू हो गई है। औद्योगिक क्षेत्र स्थित यूपीआईए के कार्यालय में उपायुक्त उद्योग की अगुवाई में करीगरों एवं होजरी कारोबारियों की बैठक हुई। जिसमें कॉमन फैसिलिटी सेंटर के बन जाने से डिजाइन डेवलपमेंट और ट्रेनिंग तथा जिले में उत्पादन किए गए उत्पाद का प्रदर्शन केंद्र ,रॉ मैटेरियल बैंक के साथ–साथ नई तकनीकी मशीनें उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। इससे यहां के होजरी कारोबारियों को काफी फायदा मिलेगा। उपायुक्त उद्योग राज कुमार शर्मा ने कहा कि अभी जनपद के कारोबारियों के जरिए तैयार माल बरदहिया बाजार के फुटपॉथ पर बेचा जाता है। जिससे न तो उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन हो पाता है और नही उसका उचित मूल्य मिल पाता है। कॉमन फैसिलिटी सेंटर के बनाए जाने से जनपद के उत्पाद की ब्रांडिंग वैश्विक स्तर की हो सकेंगी। ओडीओपी योजना के मंडल सलाहाकार अनुराग सिंह ने कहा कि होजरी का कलस्टर बन जाने से तमाम प्रकार की सहूलियतें ,जिसमें सही मूल्य पर अच्छे प्रकार का कच्चा माल,उत्तम तकनीक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद यहां के कारोबारियों के जरिए बनाए जा सकेंगे। उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद पाठक ने कहा कि चार करोड़ की लागत से बनने वाले कॉमन फैसिलिटी सेंटर जनपद के होजरी कारोबारियों के लिए वरदान साबित होगा। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओडीओपी को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी।

जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार पड़ता है तब तब प्रभु लेते हैं अवतार- पं घनश्याम किशोर मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। स्थानीय विकास क्षेत्र के छरदही गांव में चल रही नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन आचार्य पंडित घनश्याम किशोर मिश्र ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव लीला का वर्णन किया। जिसमें श्रद्धालु बधाइयां गीत पर जमकर थिरके। कथा को विस्तार देते हुए कहा कि कंस के कारागार में वसुदेव देवकी के भादों मास की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। उनका लालन पालन नंद बाबा के घर में हुआ। इसलिए नंद गांव में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान श्री कृष्णा अत्याचारी कंस का वध करके अत्याचार से मुक्त किया और अपने माता–पिता को कारागार से छुडाया। उहोंने धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महत्ता पर विस्तार से बताते हुए कहा कि जब–जब पृथ्वी पर अत्याचार, दुराचार बढ़ता है, तब–तब प्रभु का अवतार होता है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब कंस ने सभी मर्यादाएं तोड़ दी तो प्रभु श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। इसी तरह त्रेतायुग में रावण का अत्याचार बढ़ने पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने जन्म लिया। श्रीकृष्ण के बधईयां गीत पर भक्त खूब थिरके।

मुख्य यजमान राजेंद्र प्रसाद दुबे, आचार्य आनंद मिश्रा, पं विंध्याचल दुबे, नरेंद्र प्रसाद दुबे, राजू दुबे, गुड्डू, धर्मेद्र दुबे, रविद्र, शिखर, विनय, अतुल दुबे, राम प्रकट उपाध्याय, इंद्रजीत दुबे, पंडित हरिराम, बीरेंद्र, संतोष दुबे, बाबूराम, राम भरत दुबे, मनोज, दिलीप कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

खंभे पर चढ़ फाल्ट ठीक कर रहा था, करंट लगने से नीचे गिरा लाइनमैन

संवाददाता–गोरखपुर। बिजली निगम का एक लाइनमैन रविवार की सुबह फाल्ट ठीक करने के दौरान करंट की चपेट में आ गया। मौजूद साथ के साथियों ने आनन–फानन में घायल लाइनमैन को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि बिजली के खंभे से सीधे नीचे जमीन पर गिरने की वजह से सिर में गंभीर चोट लग गई है। धर्मशाला बाजार उपकेंद्र के सुमेर सागर पर बिजली फाल्ट ठीक करने के लिए लाइनमैन पहुंचे थे। फाल्ट वाले खंभे पर चढ़कर तार के जंपर को ठीक करने का काम कर रहे थे। इसी बीच अचानक करंट वाले केबल के संपर्क में आ गए। बताया जा रहा है कि खंभे पर दो फीडर से केबल जा रहा था।

एक केबल पर शटडाउन लिया था, जबकि दूसरे का शटडाउन नहीं लिया था। इसी बीच फाल्ट ठीक करने के दौरान दूसरे फीडर के केबल के संपर्क में आ गया, इससे झटके में करंट लग गया और केबल पर ही चिपक गया। मौजूद दूसरे लाइनमैन ने तत्काल केबल के शटडाउनल को लेकर सीढ़ी पर चढ़कर लाइनमैन को चिपके केबल से दूर किया। इस दौरान लाइनमैन केबल से नीचे जमीन पर आ गिरा। टाउनहाल बिजली घर के एक्सईएन आशीष चौहान ने बताया कि आरडीएसएस को लेकर एबीसी केवल बदलने का कार्य चल रहा था। शटडाउन दिया गया था। खंभे पर दो फीडर की बिजली आपूर्ति जाती है। जांच करवाया जाएगा कि आखिर कैसे केबल के संपर्क में आया और करंट लगा।

महिला थाना खलीलाबाद में परिवार परामर्श केंद्र की पहलः पांच टूटते परिवारों में सुलह

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद स्थित महिला थाने के परिवार परामर्श केंद्र में एक सराहनीय पहल की गई। थानाध्यक्ष पूनम मौर्या और नियुक्त सदस्य रिफातुल्लाह अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित श्साथ–साथश कार्यक्रम में पांच परिवारों के बीच सुलह समझौता कराया गया। थाना कोतवाली खलीलाबाद, थाना महुली, थाना बेलहर कला और जनपद बस्ती के पांच परिवारों के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। थानाध्यक्ष पूनम मौर्या के अनुसार, इन परिवारों के रिश्ते टूटने की कगार पर थे। परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों को समझाया–बुझाया।जिसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा और सभी पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। आपसी सहमति से सुलह–समझौता हो गया। इस तरह परिवार परामर्श केंद्र ने पांच परिवारों को टूटने से बचा लिया।

बोर्ड में प्लग लगाते समय बिजली की चपेट में आया युवक, मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के सिरसी गांव में रविवार की सुबह करंट की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सीएचसी मलौली लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की सूचना से परिजनों में हाहाकर मच गया।

जानकारी के अनुसार सिरसी गांव निवासी अमरजीत साहनी(42) पुत्र पंचदेव साहनी रविवार की सुबह अपने घर पर स्नान करने के बाद गमछा पहन कर बाहर किसी काम से गए हुए थे। किसी काम से गीला शरीर ही उन्होंने बोर्ड के प्लग में केबल लगाया ही था कि करंट की चपेट में आ गए। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक अमरजीत जमीन पर गिर कर तड़पने लगे।

परिवार के लोगों ने आनन फानन में 108 एंबुलेंस के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलौली ले गए। जहां डॉक्टरों ने अमरजीत को मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना परिजनों को मिली तो पूरे घर में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची धनघटा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ रामकृष्ण मिश्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सरयू नदी में युवक ने स्नान के लिए लगाई छलांग, लापता

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के बारानगर कलिका माता स्थान के पास सरयू नदी में स्नान के लिए छलांग लगाने वाला युवक पानी में डूब गया। लापता युवक की तलाश गोताखोर कर रहे हैं, हालांकि उसका पता नहीं चला है। बनवारपार निवासी रमेश (20) पुत्र जोखई गुप्ता बारानगर सरयू नदी में अपने दोस्तों के साथ रविवार को नदी में स्नान करने गया था। स्नान के लिए रमेश ने नदी में छलांग लगा दी। वह नदी में नीचे गया फिर ऊपर नहीं आया। ऊपर न आने पर दोस्तों और आसपास के लोग शोर मचाने लगे। वहां मौजूद लोगों ने युवक की तलाश की लेकिन जब सफलता नहीं मिली तब पुलिस को सूचना दी। मौके पर पंहुची पुलिस गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। तकरीबन तीन घंटे तलाश के बाद रमेश का पता नहीं चलने पर प्रशासन ने एनडीआरएफ की टीम को बुलाया है। रमेश दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटा है। बड़ा भाई सुरेश बाहर कमाता है। रमेश घर पर अपनी मां के साथ रहता था। बहनों की शादी हो चुकी है। सुरेश व पिता जोखई पंजाब में रहकर रोजगार करते हैं। पिता अभी 15 दिन पहले ही पंजाब गए हैं। पुत्र के डूबने की सूचना पर पंहुची मां का रो रो कर बुरा हाल है। डूबने की हो चुकी हैं कई घटनाएं प्रशासन ने नहीं लगाया है खतरे का बोर्ड बारानगर कालिका माता स्थान के पास सरयू नदी के घाट के पास कई लोग डूब चुके हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक नदी में जिस जगह युवक स्नान करने के लिए कूदा था वहां नदी काफी गहरी है।

रास्ते में ईट हटाने के विवाद में एक व्यक्ति को कुएं में फेंका

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के टिकरिया में रास्ते से ईंट हटाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट के दौरान एक व्यक्ति को मनबढ़ों ने कुएं में फेंक दिया। गनीमत रहा कि उसमें पानी नहीं था। ग्रामीणों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला। पुलिस दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र के टिकरिया निवासी महेश निषाद ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को पीने का पानी लेने जा रहा था। रास्ते में ईंट रखी थी। वह उसे हटाने लगा। उसी दौरान गांव के मनबढ़ उसके साथ गाली गलौज करते हुए बाइक की चाभी निकाल लिए। मुझे मारते–पीटते हुए कुएं में फेंक दिया। ग्रामीणों ने किसी तरह कुएं से बाहर निकाला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बाल मुकुंद, चिंटू, गोविंद के खिलाफ बलवा, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर किया है। वहीं दूसरे पक्ष के गोविंद ने तहरीर में बताया गांव में नाले पर स्लैब ढाला गया था। गांव के मनबढ़ उसे हटाकर नष्ट कर रहे थे। इसका विरोध किया तो जिसका विरोध किया तो मनबढ़ अपने साथियों के साथ मिलकर बेटे आकाश गुप्ता,बालमुकुंद को मारपीट कर घायल कर दिए तथा गाड़ी तोड़ दिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने महेश उर्फ मंटू, अभिषेक, विकास, पीयूष तथा कई अज्ञात के खिलाफ बलवा, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने, तोड़फोड़ का केस दर्ज किया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-बिजलपुर वि0ख0 -रूधौली, जनपद-बस्ती

सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालिक निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत **बिजलपुर,** विकास खण्ड रूधौली, जनपद बस्ती द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना पंद्रहवां वित्त/चतुर्थं राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन एवम अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत स्वीकृति तथा कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु इंटरलाकिंग प्रथम श्रेणी ईट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर की गिट्टी, टाइल्स, हियूमपाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हार्डवेयर, सफाई कर्मी, गोवंश भरण–पोषण, हेतू भूसा दाना, टूल किट, इण्डिया मार्का पम्प, मरम्त, रिबोर पंचायत भवन निर्माण व मरम्मत व सार्वजनिक स्थान पर बैठने हेतु बेंच निर्माण ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत/सामुदायिक शौचालय मरम्मत व निर्माण, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धक (एस0एल0डब्लू0एम0), इलेक्ट्रानिक मटेरियल आदि समानो की व समय समय पर आवश्कतानुसार कार्य करने सम्बंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा सत्र 2025–26 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनाँक 02–06–2025 से 09.06.2025 को सायं 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा तथा वाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **बिजलपुर,** के निविदा बॉक्स में प्राप्त कर डाली जायेगी। जो दिनांक 10.06.2025 पूर्वाहन 03:00 बजे ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मूल्य 5000–रुपये होगी।

नियम व शर्ते

1–जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी, वही निविदा स्वीकृति की जायेगी ।

2–आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

3–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर ही करनी होगी।

4– जो दरे प्रस्तुत की जाये वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।

5– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।

6– सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

7– ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य/बीडीसी/जिला पंचायत सदस्य/ तकनीकी सहायक/रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बंधित एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं।

8– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।

9– आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सामग्री का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10– निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत **बिजलपुर,** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रुपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा। अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय **बिजलपुर,** से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान–राकेश
ग्राम पंचायत–**बिजलपुर**
विकास खण्ड–रूधौली
जनपद –बस्ती

सचिव–पल्लवी चौधरी
ग्राम पंचायत–**बिजलपुर**
विकास खण्ड–रूधौली
जनपद –बस्ती

पत्रांक मेमो /निविदा /2025–26 दिनांक 31.05.2025

कार्यालय ग्राम पंचायत-बजहा वि0ख0 -रूधौली, जनपद-बस्ती

सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालिक निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत **बजहा,** विकास खण्ड रूधौली, जनपद बस्ती द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना पंद्रहवां वित्त/चतुर्थं राज्य वित्त /केन्द्रीय वित्त/ स्वच्छ भारत मिशन एवम अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत स्वीकृति तथा कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु इंटरलाकिंग प्रथम श्रेणी ईट, बालू, सीमेन्ट, मोरंग, सरिया, पेन्ट, वायरिंग, पत्थर की गिट्टी, टाइल्स, हियूमपाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हार्डवेयर, सफाई कर्मी, गोवंश भरण–पोषण, हेतू भूसा दाना, टूल किट, इण्डिया मार्का पम्प, मरम्त, रिबोर पंचायत भवन निर्माण व मरम्मत व सार्वजनिक स्थान पर बैठने हेतु बेंच निर्माण ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केन्द्र मरम्मत/सामुदायिक शौचालय मरम्मत व निर्माण, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धक (एस0एल0डब्लू0एम0), इलेक्ट्रानिक मटेरियल आदि समानो की व समय समय पर आवश्कतानुसार कार्य करने सम्बंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा सत्र 2025–26 हेतु आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनाँक 02–06–2025 से 07.06.2025 को सायं 02.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा तथा वाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय **बजहा,** के निविदा बॉक्स में प्राप्त कर डाली जायेगी। जो दिनांक 09.06.2025 पूर्वाहन 03:00 बजे ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेन्डर खोला जायेगा तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मूल्य 5000– रुपये होगी।

नियम व शर्ते

1–जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगी, वही निविदा स्वीकृति की जायेगी ।

2–आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकरदाता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

3–सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत में कार्य स्थल पर ही करनी होगी।

4– जो दरे प्रस्तुत की जाये वह जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।

5– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।

6– सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

7– ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/सचिव/सदस्य/बीडीसी/जिला पंचायत सदस्य/ तकनीकी सहायक/रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बंधित एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय की नोटरी शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं।

8– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा।

9– आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति हेतु खरीदी गयी सामग्री का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

10– निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत **बजहा,** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रुपया है पर ही स्वीकार किया जायेगा। अन्य जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय **बजहा,** से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान–रीता चौधरी
ग्राम पंचायत–**बजहा**
विकास खण्ड–रूधौली
जनपद –बस्ती

सचिव–पल्लवी चौधरी
ग्राम पंचायत–**बजहा**
विकास खण्ड–रूधौली
जनपद –बस्ती

पत्रांक मेमो /निविदा /2025–26 दिनांक 31.05.2025

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती
जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 131/2025
फूला देवी–सायलान
1– फूला देवी उम्र 50 साल पत्नी मोल्हू
2–शनि कुमार उम्र 25 साल 3– मनीष कुमार उम्र 21 साल 4– राजू उम्र 19 साल पुत्रगण मोल्हू साकिनान मौजा सिकन्दरपुर पोस्ट सिकन्दरपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम 1925

तारीख पेशी 08–07–2025

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 08–07–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
वाद सं0–477/2023
राम उजागिर आदि
बनाम
मुनिराम आदि
मुनिराम पुत्र भीखी निवासी ग्राम बस्ती अलावल तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–08–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com